

**उल्कामुख** पुं. (तत्.) एक प्रकार का भूत जिसके मुँह से आग निकलती हो, अगिया बैताल। महादेव का एक गण।

**उल्काश्म** पुं. (तत्.) पत्थर की शिला जैसी उल्का, पृथ्वी पर गिरने वाली उल्का, आकाश से टूटकर गिरने वाला तारा।

**उल्था** पुं. (देश.) भाषांतर, अनुवाद, तर्जुमा।

**उल्ब स्त्री.** (तत्.) जीव. भ्रूण को कोष के रूप में घेरे रहने वाली झिल्ली, जिस (कोष) में भ्रूण के चारों ओर एक तरल भरा रहता है।

**उल्मुक** पुं. (तद्.) अंगार, आग की लपट, जलती हुई आग की लुकाठी।

**उल्लंघन** पुं. (तत्.) 1. लाँघना, विरुद्ध आचरण, नियम-भंग, अतिक्रमण।

**उल्लंघनकारी वि.** (तत्.) जो उल्लंघन करता हो, उल्लंघन करने वाला।

**उल्लंघनीय वि.** (तत्.) उल्लंघन किए जाने योग्य।

**उल्लंघित वि.** (तत्.) लाँघा हुआ, तोड़ा हुआ, अतिक्रमण किया हुआ।

**उल्लनित वि.** (तत्.) जो क्षोभयुक्त हो, उठा हुआ।

**उल्लसन** पुं. (तत्.) प्रसन्नता की स्थिति का भाव, हर्ष-रोमांच, पुलकितहोने का भाव, चमक।

**उल्लसित वि.** (तत्.) 1. प्रसन्न 2. चमकता हुआ, खिलता हुआ 3. उल्लासयुक्त।

**उल्लाप** पुं. (तद्.) वचन/शब्द या वाणी, ऊँची आवाज, आह्वान स्वर, चिल्लाहट।

**उल्लापक वि.** (तत्.) मीठी बातें करने वाला, चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला, चाटुकार, खुशामदी।

**उल्लापन** पुं. (तत्.) मीठी बातें, खुशामदपूर्ण कथन।

**उल्लाप्य वि.** (तत्.) चाटुकारिता करने योग्य व्यक्ति, नाट्य पुं. एकांकी उपरूपक का एक

प्रकार जिसमें धीरोदात्त नायक, चार नायिकाएँ तथा शृंगार, करुण या हास्य रस प्रधान होते हैं।

**उल्लाल** पुं. (तत्.) पिंगलशास्त्र का एक अर्धसम मात्रिक छंद जिसके प्रथम-तृतीय चरण में 15-15 तथा द्वितीय-चतुर्थ चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं।

**उल्लाला** पुं. (तत्.) छंद. एक प्रकार का सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 13 मात्राएँ होती हैं।

**उल्लास** पुं. (तत्.) 1. हर्ष 2. प्रकाश 3. ग्रंथ का एक अध्याय 4. साहि. एक अलंकार, जिसमें एक के गुण या दोष के दूसरे में गुण या दोष दिखाया जाए।

**उल्लासक वि.** (तत्.) उल्लास या प्रसन्नता देने वाला, हर्षप्रद।

**उल्लासित वि.** (तत्.) उल्लास से युक्त, प्रसन्न, प्रकटीकृत, दीप्त।

**उल्लासिनी वि.** (तत्.) उल्लास वाली, या उल्लास से भरी हुई।

**उल्लासी वि.** (तत्.) उल्लास वाला, प्रसन्न।

**उल्लिखित वि.** (तत्.) 1. ऊपर लिखा हुआ 2. खोदा हुआ 3. जिसे पहले कहा या लिखा गया हो, पूर्वोक्त।

**उल्लू** पुं. (तद्.) बड़ी गोल आँखों और मुड़ी चोंच वाला एक पक्षी जिसे दिन में बहुत कम दिखाई देता है, उलूक, ला.अर्थ. मूर्ख, नासमझ मुहा. उल्लू का पट्ठा- निपट मूर्ख; उल्लू बनाना- बेवकूफ बनाना, ठगना; उल्लू बोलना- उजड़ जाना, वीरान होना स्त्री. (तद्.) 1. हर्ष में व्यक्त की जाने वाली ध्वनि।

**उल्लूपन** पुं. (तद्.) उल्लू होने का भाव या गुण, उल्लूकता, ला.अर्थ. मूर्खता।

**उल्लेख** पुं. (तत्.) 1. लेखन 2. वर्णन 3. संकेत।